समाचार वाणी
ख़बर जो करें असर !

नाशिक | Monday, 28 September 2026

स्थानीय निकाय चुनाव : पहले चरण मे शांतिपूर्ण मतदान, कोल्हापुर मे 79% की सर्वाधिक भागीदारी ; मतगणना 21 दिसंबर को

Publisher

Published on 03 Dec 2025

महाराष्ट्र में स्थानीय निकायों के पहले चरण के चुनावों में रविवार को पूरे राज्य में उत्साहपूर्ण माहौल देखने को मिला। नगर-पंचायत और नगर परिषद चुनावों के लिए आयोजित इस मतदान प्रक्रिया में जनता का रुझान मजबूत रहा। कई जिलों में सुबह से ही मतदान केंद्रों पर लंबी कतारें दिखाई दीं, और अनुमान के अनुसार अधिकांश क्षेत्रों में **60 प्रतिशत से अधिक मतदान** दर्ज किया गया। चुनाव आयोग द्वारा जारी प्रारंभिक जानकारी के अनुसार, **कोल्हापुर जिले ने 79%** के प्रभावशाली मतदान प्रतिशत के साथ पूरे राज्य में सर्वोच्च स्थान हासिल किया। शहर से लेकर ग्रामीण इलाकों तक, मतदाताओं में भारी जागरूकता और उत्साह देखने को मिला। विशेष रूप से कोल्हापुर में मतदान केंद्रों पर युवाओं और महिलाओं की भागीदारी उल्लेखनीय रही, जिसने निर्वाचन प्रक्रिया को और मजबूती प्रदान की।

राज्य के अन्य कई जिलों में भी संतोषजनक मतदान दर्ज किया गया। स्थानीय निकाय चुनावों का यह पहला चरण राज्य की राजनीति के लिए अहम माना जा रहा है, क्योंकि इससे आने वाले महीनों में स्थानीय सत्ता की दिशा तय होगी। विभिन्न राजनीतिक दलों ने भी इन चुनावों में जीत हासिल करने के लिए व्यापक प्रचार अभियान चलाया था।

हालांकि, मतदान प्रक्रिया पूरी तरह शांतिपूर्ण नहीं रही। कुछ स्थानों से **तनाव, विवाद और मामूली झड़पों** की खबरें भी सामने आईं। कुछ नगर पंचायत क्षेत्रों में समर्थकों के बीच नोकझोंक की घटनाएँ दर्ज की गईं, जिन पर पुलिस ने तुरंत हस्तक्षेप कर स्थिति को नियंत्रित किया। चुनाव आयोग ने पहले ही संवेदनशील मतदान केंद्रों पर अतिरिक्त सुरक्षा बल तैनात किए थे, और ड्रोन निगरानी सहित कई सख्त इंतज़ाम किए गए थे, जिसके चलते किसी बड़ी गड़बड़ी की सूचना नहीं मिली।

इस बीच, मतगणना को लेकर बड़ा अपडेट सामने आया है। सामान्यतः मतदान के तुरंत बाद मतगणना शुरू कर दी जाती है, लेकिन इस बार **बॉम्बे हाई कोर्ट के आदेश** के तहत मतगणना स्थगित कर दी गई है। अदालत द्वारा जारी निर्देशों के अनुसार, अब परिणाम **21 दिसंबर** को घोषित किए जाएँगे। हाई कोर्ट के इस फैसले ने उम्मीदवारों की चिंता और उत्सुकता दोनों को बढ़ा दिया है,

क्योंकि अब उन्हें लगभग तीन सप्ताह तक प्रतीक्षा करनी होगी।

मतगणना स्थगित करने के आदेश को लेकर राजनीतिक हलकों में भी चर्चा तेज है। विभिन्न राजनीतिक दल इस फैसले को संवेदनशील मानते हुए अदालत के आदेश का सम्मान कर रहे हैं, लेकिन अंदर ही अंदर सभी अपनी गणित और रणनीतियों को मजबूत करने में जुट गए हैं। स्थानीय स्तर के इन चुनावों में जनता की राय कई राजनीतिक समीकरणों को प्रभावित कर सकती है, इस कारण परिणामों का सभी को बेसब्री से इंतजार है।

पहले चरण के मतदान के समापन के बाद अब चुनाव आयोग दूसरे चरण की तैयारियों में लग गया है। अगले चरण में किन जिलों में मतदान होगा और किन क्षेत्रों को संवेदनशील माना गया है, इस पर भी प्रशासनिक स्तर पर गहन समीक्षा जारी है।
फिलहाल, पहले चरण में भारी मतदान होने के कारण यह स्पष्ट है कि जनता स्थानीय मुद्दों और विकास के सवालों को लेकर सजग है और अपनी आवाज़ मजबूती से दर्ज कराना चाहती है। अब सबकी निगाहें 21 दिसंबर पर टिकी हैं, जब पता चलेगा कि जनता ने इस बार का जनादेश किसके पक्ष में दिया है।

DISCLAIMER: the views/contents expressed/presented herein, within this advertorial and promotional feature are the sole and exclusive responsibility of individual clients/expert/their authorised representative/Publisher, to which effect, publication house/its representative/affiliates are not responsible/liable whatsover.